Observation re. Controlling of Mike System

-

माननीय अध्यक्ष **:** माननीय सदस्यगण, एक विषय मेरे लिए गम्भीर चिन्ता का विषय है । सदन भी इस पर चिन्ता व्यक्त करे । कई माननीय सदस्य बाहर यह आरोप लगाते हैं कि माननीय अध्यक्ष या पीठासीन अधिकारी या आसन पर बैठे व्यक्ति माइक बन्द कर देते हैं ।? (व्यवधान) आप वर्षों तक, आपको कई साल हो गए, आपका अनुभव है ।? (व्यवधान) आप मेरी बात सुनिए ।? (व्यवधान) आपका अनुभव है । आप मुझसे भी वरिष्ठ हैं । आप पुराने सदन में भी थे, नए सदन में भी हैं । आसन से एक व्यवस्था रहती है कि जिसका नाम पुकारा जाता है, वह अपनी बात कहता है । आसन व्यवस्था दे देता है, दूसरा नाम पुकारा जाता है तो दूसरा व्यक्ति बोलता है । आसन की व्यवस्था के अनुसार माइक का कन्ट्रोल चलता है । माइक का कन्ट्रोल, रिमोट कभी भी आसन पर बैठे हुए व्यक्ति के पास नहीं होता है । आसन पर आप भी बैठते हैं, सभी दल के व्यक्ति बैठते हैं । सभी दलों के सभापति तालिका के सदस्य इसी तरीके से सदन चलाते हैं, चाहे किसी भी दल का सदस्य हो ।? (व्यवधान) इस आसन की हमेशा मर्यादा रही है ।? (व्यवधान) इसलिए मेरा आग्रह है कि आप कभी भी, सभापति तालिका का कोई भी व्यक्ति आसन पर बैठा हो, आप इस तरीके का आक्षेप नहीं करेंगे तो उचित रहेगा ।? (व्यवधान) यह संविधान की मर्यादा के अनुसार रहेगा ।? (व्यवधान) माननीय सुरेश जी भी आसन पर बैठते हैं ।? (व्यवधान) सुरेश जी ने कभी किसी का माइक? (व्यवधान) क्या माइक आपके हाथ में है?? (व्यवधान) क्या आपके पास माइक का कन्ट्रोल है?? (व्यवधान) क्या कन्ट्रोल है?? (व्यवधान) नहीं है ना, तो आप बोलिए कि कन्ट्रोल नहीं है ।? (व्यवधान) सुरेश जी ने कहा है कि माइक का कन्ट्रोल नहीं है ।? (व्यवधान) आप सुरेश जी की बात नहीं मानते हैं ।? (व्यवधान) नहीं । ? (व्यवधान)

_____

-

11.13 hrs